















# پاکستان کا یادگاریتیک سانکٹ

## आयोप-प्रत्यायोप का खेल

**मुख्यमंत्री** हेमंत सोरेन को ईडी दोबारा समन भेज सकती है। सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन के टाइम पीटिशन पर मंथन कर लिया है और अगले सप्ताह दूसरा समन जारी करने को तैयार है। जानकारी के अनुसार ईडी ने सीएम हेमंत सोरेन के टाइम पीटिशन पर मंथन कर लिया है और अगले सप्ताह दूसरा समन जारी करने की तैयारी में है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री द्वारा मांग गया 3 सप्ताह का समय उन्हें मिलना मुश्किल है। गौरतलब है कि ईडी ऐसे मामलों में तीन बार समन जारी करती है लेकिन यदि संबंधित व्यक्ति पूछताछ के लिए हाजिर नहीं होता तो एजेंसी कोर्ट से उचित विधि-सम्मत कार्रवाई के लिए विशेष निर्देश लेती है। बता दें कि ईडी ने मनी लाउंडिंग केस और अवैध खनन मामले में पूछताछ के लिए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बीते मंगलवार को देर रात समन जारी किया था। मुख्यमंत्री को 3 नवंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था लेकिन सीएम नहीं आये। मुख्यमंत्री अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों में व्यस्तता का हवाला देकर हाजिर नहीं हुए। जनता के बीच मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि मैं गुनहगार हूँ तो समन क्यों। यदि हिम्मत है तो ईडी मुझे गिरफ्तार करे। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने ईडी को पत्र लिखकर तीन सप्ताह का समय मांगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से एक शेड्यूल भी सार्वजनिक किया गया जिसमें 15 नवंबर यानी झारखण्ड स्थापना दिवस तक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। बताया जा रहा है कि ईडी से मुख्यमंत्री को तीन सप्ताह का समय मिलना मुश्किल है। वैसे भी समन जारी किए हुए करीब 1 सप्ताह बीतने को है। ऐसे में ईडी ने साहिबगंज सहित अन्य जिलों में अवैध खनन और पारी जारी कर्तव्य के रूप में प्रत्यावर्ती

इमरान खान देश गे  
तुरंत आम चुनाव  
चाहते हैं और यह  
स्थिति उनके

राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को स्वीकृत  
नहीं है। इमरान खान जिस सेना  
की शह पर 2018 में प्रधानमंत्री  
बने थे, वही सेना उनके

राजनीतिक जीवन की सबसे बड़ी  
प्रतिद्वंद्वी बन गई है। क्रिकेट के  
मैदान में आक्रामक तेवर के लिए  
मशहूर रहे इमरान खान

राजनीतिक मैदान को आक्रामक  
से जीत लेना चाहते हैं, पर उनका  
यह कोशिश कामयाब होती दिखता  
नहीं रही है। इस साल रूस द्वारा  
यूक्रेन पर हमले की शुरुआत में  
बतौर प्रधानमंत्री इमरान खान वह  
रूस यात्रा और पुतिन से मुलाकू  
पाकिस्तान की सैन्य  
रणनीति के उलट मानी  
गई।

**स** ता हाथ से जाने के बाद इमरान खान पिछले कई महीनों से सत्तारूढ़ दल और सेना के खिलाफ हमलावर रहे हैं तथा रैलियों और जलसों में शहबाज शरीफ की सरकार को खरोद-फरोख की सरकार बताते रहे हैं। उन्हें अभूतपूर्व जनसमर्थन भी मिल रहा है, लेकिन सेना और आइएसआइ इमरान खान की बढ़ती लोकप्रियता से आशकित हैं। पाकिस्तान एक राष्ट्र के तौर पर लोकतंत्र की मूल मान्यताओं से बहुत दूर नजर आता है। लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक यात्राओं को सत्ता प्राप्ति का साधन माना जाता है, लेकिन वहाँ ऐसा बिल्कुल नहीं है। पाकिस्तान में सत्ता के विरोध में जनता को लाम्बदं करने के लिए 'लांग मार्च' की परंपरा बहुत पुरानी है, हालांकि यह लोकतंत्र की मजबूती का कारण कभी नहीं बन पाई। वहाँ चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकारों को बर्खास्त करने के लिए सेना ने विपक्षी दलों से मिल कर कई

बार इन्हीं 'लांग मार्च' को मज़ाकिया। देश में अशांति का मामला बनाने में मदद की और फिर सुनौर के नाम पर प्रधानमंत्री को अपवाह करके सैन्य सरकार की स्थापना दी। एक बार फिर पाकिस्तान ने रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। तबहरी ए-इंसाफ के नेता इमरान खान ने नेतृत्व में 'लांग मार्च' का काम पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में समाप्त होता, उसके ठीक पाँच उन पर हमला हो गया। यह लोकप्रिय कोशिश का हिस्सा दिखाई देता। इमरान खान को 'लांग मार्च' में फिर प्रकार अभूतपूर्व समर्थन मिला है, न तो पाकिस्तान की सेना के फैसले सुखद संकेत माना गया और न सत्तारूढ़ पार्टी के लिए। इमरान राजनीति में उत्तरांश देश में तुरंत आम चुनाव चाहते हैं और यह स्थिति उनके राजनीती प्रतिद्वंद्वियों को स्वीकार नहीं। इमरान खान जिस सेना की शहरी

2018 में प्रधानमंत्री बने थे, वही से उनके राजनीतिक जीवन की सब बड़ी प्रतिद्वंद्वी बन गई है। क्रिकेट मैदान में आक्रामक तेवर के लिए मशहूर रहे इमरान खान राजनीति मैदान को आक्रमकता से जीत ले चाहते हैं, पर उनकी यह कोशिश कामयाब होती दिख नहीं रही है। इस साल रूस द्वारा यूक्रेन पर हमले व शुरूआत में बैठौर प्रधानमंत्री इमरान खान की रूस यात्रा और पुतिन मुलाकात पाकिस्तान की सैरणीति के उलट मानी गई। अमेरिका प्रभाव वाले इस देश में इमरान खान की रूस के करीबी दिखने व कोशिश को सेना ने चुनौती की तरफ लिया और उसने विषयकी दलों से हांगिलाकर उनको प्रधानमंत्री पद छोड़ा के लिए मजबूर कर दिया। पाकिस्तान में हर सरकार अमेरिका से बेहाल संबंध बनाये रखती है। पाकिस्तान सेना के पास अधिकांश अत्याधुनिक हथियार अमेरिका के ही हैं। 19

में अफगानिस्तान में तत्कालीन सेवियत संघ के सैन्य हस्तक्षेप के बीच पाकिस्तान और अमेरिका के सैन्य और कूटनीतिक संबंधों में अभूतपूर्व बुद्धि हुई थी। बाद में इसके व्यापक वैश्विक प्रभाव पड़े। अफगानिस्तान में मुजाहिदीन की सेना, तालिबान का जन्म और सेवियत संघ का विभाजन इन्हीं स्थितियों का परिणाम माना जाता है। अमेरिका की शह पर पाकिस्तान ने आतंकी केंद्र बनाये और अफगानिस्तान से सेवियत संघ की सेना को बाहर निकालने के लिए जिहाद को राजनीतिक हथियार बनाया। इमरान खान का रूस को समर्थन, उनकी अपरिपक्वता और पाकिस्तानी सैन्य हितों के विपरीत माना गया। इसके बाद पाकिस्तान की राजनीति में भारी उथल-पुथल हुई और सत्ता उनके हाथ से जाती रही। देश के नए प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो बने। सत्ता हाथ से जाने के बाद इमरान खान पिछले कई महीनों से सत्तारूढ़ दल और सेना के खिलाफ हमलावर रहे हैं तथा रैलियों और जलसों में शहबाज शरीफ की सरकार को खरीद-फरोख की सरकार बताते रहे हैं। उन्हें अभूतपूर्व जनसमर्थन भी मिल रहा है, लिकिन सेना और आइएसआई इमरान खान की बढ़ती लोकप्रियता से आशंकित हैं। लगभग डेढ़ दशक पहले पाकिस्तान में बेनजीर भुट्टो ने भी कुछ ऐसा ही साहस दिखाने की कोशिश की थी, जिसका परिणाम उनकी हत्या के रूप में सामने आया। इस घटना के दस साल बाद यानी 2017 में पाकिस्तान की 'एंटी टेररिज्म कोटी' ने बेनजीर भुट्टो हत्याकांड में पूर्व राष्ट्रपति और तानाशाह परवेज मुशर्रफ की सर्विलपता पर मुहर लगाते हुए उन्हें भगोड़ा करार दिया और उनकी संपत्ति जब्त करने के आदेश दिए थे।

■ ब्रह्मदीप अलूने

## खट्टे-मीठे स्वाद के स्वागत का मौसम

**पि** छल हफ्ते हमार यहां अयाध्या मैं एकादशी मनाइ गई। पचकोसा और चौदह कोसी परिक्रमा हुई, जिसमें लगभग पैंतीस-चालीस लाख लोगों ने हिस्सा लिया। अवध में एकादशी पूरी तरह से किसानों का त्योहार है। एकादशी से ही गन्ना कटना शुरू होता है, आंवले तोड़े जाते हैं। अक्टूबर-नवंबर हमारे यहां खट्टे-मीठे स्वाद के स्वागत का मौसम है। अब गांव-गांव से गुड़ पकने की खुशबू आने लगी है। कहीं सिंपल भेली बना रहे हैं तो कहीं गरी, सोंठ, छुहरे वाली मिक्स भेली। लहंटा अलग खींचा जा रहा है। खींच-खींचकर जब उसे भूरे से सफेद कर देंगे, तो कुछ लोग बांस के ठंडे में लपेट कर अपनी साइकिल से गली-गली घूमेंगे और केवड़े से महकती चीनी की गुडियां, बुडियां, फूल बनाकर बेचेंगे। फिर खांड भी बन रही है। ठंडे पानी में गुड़ नहीं घुलता, इसलिए खांड बनती है। भीषण गर्मी में जब कोई शहर से हमारे गांव आयेगा, तो तुरंत चापाकल से ठंडा पानी निकाला जायेगा, और खांड घोलकर गन्ने का रस हाजिर किया जायेगा। जाड़े आने वाले हैं तो बड़की मौसी मूँगफली वाली पट्टी बनाने के लिए बड़ा थाल लेकर कोल्हू पर पहुंची हैं। गुड़ की पट्टी लहंटा का ही सूखा स्वरूप है। उधर आंवले तोड़े जा रहे हैं। आंवले का अचार बनेगा, मगर अचार से ज्यादा तो आंवले का मुरब्बा बनेगा। आंवले की गुड़ मिली कैंडी बनेगी। इसमें थोड़ा जीरा, थोड़ी सोंठ और थोड़ी काली मिर्च पड़ेगी। बस हफ्ते भर में ही आपको प्रतापगढ़ के अधिकतर घरों के

आगरा में आवल मूँखत मिलगा। मगर मुझे लगता है कि इस मासम वाले एकादशी खट्टे से कहाँ ज्यादा जीवन में मिटाई भरने के लिए मनाई जाती है। हम कितने भी हैरान-परेशान हों, नशे की तरह ही मीठा भी हमें तुरांत सुख देता है। इसी सुख के स्वागत के लिए फैजाबाद, सुल्तानपुर, गोडाम बहराइच, बाराबंकी, रायबरेली, बस्ती आदि के किसान अयोध्या में जुटते हैं, भगवान राम की परिक्रमा करते हैं और कनक भवन में दर्शन कर अपने-अपने खेतों में हाँसिया-गंडासा लेकर उतर पड़ते हैं। एकादशी वार रात तो और भी ढेरों चीजों होती हैं। कुछ बहुत पहले होती थीं, जो अब कभी-कभार ही देखने को मिलती हैं। कुछ अब भी होती हैं, जैसे गन की गेंडा तोड़कर सूप बजाते हुए दलिल भगाना। मेरी अम्मा अब लगभग 94-95 की हो चुकी हैं और अभी भी उनको फाग, नकटा, नकटा राग, गरी, द्वारचार और विदाई वाले गीत याद हैं। मैंने उनसे पूछा कि अब उनको एकादशी में क्या देखने को नहीं मिलता? ऐसा लगा कि जैसे भाव बैठी हों। कहने लगीं, अब तो किसी में एकादशी की इज्जत ही नहीं है। अब बहुत से लोग तो एकादशी के पहले ही गन्ना काटने लगे हैं। अब न चौपाई पूरी जाती है, न उसमें पांच गन्ना देवता को चढ़ाया जाता है, न सात गन्ना भवानी को चढ़ाते हैं। पूरे परिवार को एक साथ बैठकर गन्ने का डिठवकरना होता था, यानी चूसना होता था, तो अब तो परिवार ही नहीं रहे।

■ राहुल पाण्डे

— चाहे आयोग ने मज़बूत विधानसभा चुनाव से इन सबके कंते स्वर्ग सनाई देंगे। आप मतदाता 112 तक पढ़ने चाहिए हैं। अगर किसी को विशेषण

की घोषणा ऐसे समय की, जब मोरबी पुल त्रासदी के कारण पूरा माहौल दुख से भरा हुआ है। कांग्रेस और आप दोनों इसे बड़ा मुद्दा बनाने की रणनीति अपना रहे हैं। लेकिन चुनाव कभी एक मुद्दे पर नहीं होता। पूरे प्रदेश और देश का वातावरण, नेतृत्व, उम्मीदवार, स्थानीय मुद्दे, राज्यव्यापी और राष्ट्रीय मुद्दे, प्रचार अभियान, सामाजिक समीकरण से चुनाव परिणाम निर्धारित होते हैं। मोरबी की घटना निश्चित रूप से हमारे अंदर दुख और क्षोभ पैदा करती है। किंतु चुनावों में अभी तक इस तरह की त्रासदियां मतदान को प्रभावित करने वाला मुख्य कारक कहीं नहीं बनी हैं। इसलिए विपक्ष कितना भी चाहे, लगता नहीं कि मोरबी चुनाव को प्रभावित करने वाला बड़ा मुद्दा बनेगा। **मोदी फैक्टर :** हाँ, प्रधानमंत्री और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को विपक्ष ने पिछले 20 वर्षों में जिस तरह प्रस्तुत किया है, वह हमेशा यहां विधानसभा और लोकसभा चुनावों को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण कारक रहा है। इस बार यह कमज़ोर पड़ेगा, ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। सच पूछिये तो 2002 से 2012 तक देश-विदेश के लोगों की नजरें गुजरात विधानसभा चुनावों पर ही टिकी रहती थीं। 2014 के बाद स्थिति बदली। अब पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के विधानसभा चुनाव भी गुजरात की त्रेणी में आ गए हैं। विपक्षी दलों के अलावा देशभर से मोदी, बीजेपी, संघ विरोधियों का जमावड़ा इन राज्यों में होने लगा है। पहले यह ट्रेंड गुजरात तक सीमित था। जाहिर है, कुछ ही समय में आपको गुजरात

इनसे कितना प्रभावित होगा, यह अलग बात है। गुजरात चुनाव की घोषणा के पहले ही 2011 इलेक्शन की बात कही जाने लगी, लेकिन क्या यह तुलना होनी चाहिए? सत्ता में आने के बासे से पहली बार 2017 में बीजेपी 100 के नीचे यानी 99 पर सिमटी और कांग्रेस को तब 7 सीटें मिलीं। 2017 के चुनावों में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीन दर्जन सभायें करनी पड़ी थीं। पूरी बीजेपी ने दिन-रात एक किया तब जाकर यह परिणाम आया। बीजेपी को 49.1 और कांग्रेस को 41.4 वोट आए। दोनों के बीच करीब 2 लाख वोटों का ही अंतर रहा। इस आधार पर कोई यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि अगर जो लगाया जाता तो बीजेपी तब सत्ता से बाहर हो सकती थी। किंतु याद रखना चाहिए कि तब चुनाव नोटबंदी और जीएसटी के साथे में हुए थे। किसान और पाटीदार आंदोलन भी जोरों पर था। तीन युवा नेता हार्दिक पटेल, अल्पेश ठाकोर और जिनेश मेवानी के प्रचार ने कांग्रेस को लाए। पहुंचाया तो बीजेपी को नुकसान। आज हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर बीजेपी में हैं और जिनेश मेवानी की हैसियत चुनाव को ज्यात प्रभावित करने की नहीं रही। तब कांग्रेस का सीधे मुकाबला बीजेपी से था। बीजेपी विरोधी मात्र उसके पाले में आ गये थे। इस बार आम आदमी पार्टी के रूप में तीसरी शक्ति भौजूद है। गुजरात में 2017 विधानसभा चुनावों के बाद के तर्फ घटनाक्रम भी गौर करने लायक हैं। एक तो यह कि बाद के उपचुनावों में मिली जीत की बदौलत वर्तमान विधानसभा में बीजेपी सदस्यों की संख्या

करना हो तो आधार इसे ही बनाना पड़ेगा। दूसरे  
2019 लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 62.21 मिलियन वोट प्राप्त किए, जबकि कांग्रेस को केवल 32.11 मिलियन वोट प्राप्त किए। यानी दोनों के बीच 30 का अंतर बहुत छोटा है। लोकसभा क्षेत्रों के लिहाज से देखें तो कुल 182 में बीजेपी को 173 में बढ़त थी, जबकि कांग्रेस सिर्फ 9 नई में आगे थी। इसका अर्थ हुआ कि जिन वोटरों ने 2017 में बीजेपी के विरुद्ध मतदान किया, उनका बहुत बड़ा हिस्सा बीजेपी के पाले में वापस आ गया। इस बार के चुनाव में सबसे रहस्यमय स्थिति कांग्रेस की है। राहुल गांधी ने 5 सितंबर, 2022 को प्रदेश में पार्टी अधियान की शुरूआत की। अभी वह दक्षिण भारत जोड़ो यात्रा पर हैं। इससे आकलन थोड़ा कठिन हो गया है। आम आदमी पार्टी ने उन क्षेत्रों में ज्यादा जोर लगाया है, जहां कांग्रेस ताकतवीर ही है। आप ने दिल्ली और पंजाब दोनों जगहों मुख्यतः कांग्रेस का ही वोट काटा है। गुजरात यह प्रवृत्ति बदल जायेगी इसके संकेत अभी नहीं हैं। आप जिस उत्साह से चुनाव लड़ रही हैं उससे माहाल ऐसा बना है जैसे मुख्य मुकाबले बीजेपी और उसके बीच हो। हालांकि कांग्रेस का अपना एक आधार गुजरात में है, किंतु जिस नरेंद्र मोदी और बीजेपी को हर हाल में हराया है, वे निश्चित रूप से यह देखेंगे कि कहां विपक्ष की कौन सी पार्टी शक्तिशाली है। गैर दलील विपक्ष : वर्तमान भारतीय राजनीति में जहां 9 बीजेपी का जनाधार है, वहां नरेंद्र मोदी का नाम सबसे बड़ा फैक्टर हो जाता है।

## संपादक के नाम पाठकों की पाती लोड शेडिंग में सुधार हो

**ज** झरत से आधा से भी कम बिजली मिलने से हर दो घंटे पर एक घंटे बिजली कठौती की जा रही है। बिजली विभाग के अधिकारी यह नहीं बता पा रहे हैं कि आखिर यह बिजली कठौती कितने दिन तक चलेगी। हाल यह है कि सुदना सब ग्रिड को 80 मेगावाट के बदले महज 30 मेगावाट बिजली मिल रही है। बिजली विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, सेंट्रल लो-डिस्पैच (सीएलडी), रांची से सुदन सब ग्रिड को आधी से भी कम बिजली लेने का निर्देश जारी किया गया है। नगर निगम अंतर्गत सुदना सब ग्रिड को समाव्यतः पिक आवर में 70-80 मेगावाट की जरूरत होती है। जबकि ग्रिड का महज 30 से 35 मेगावाट बिजली ही मिल रही है। इस कारण सुदन सब ग्रिड से जुड़े सभी छह सब स्टेशन को जरूरत से कही कम बिजली आपूर्ति की जा रही है। पिक आवर के समय बिजली की मांग घटते-बढ़ते रहने के कारण एकरूपता नहीं रहती है। मैं लोक प्रिय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रीय नवीन मेल के माध्यम से राज्य सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि गर्मी के दिनों में बिजली की कठौती नहीं किया जाय। ग्रिड को आपूर्ति के लिए उर्जा जितनी आवश्यकता है उसे दिया जाय। क्योंकि इससे पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है।

- ६२ - २८३

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सौल्यशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.) प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखण्ड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज\*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेडमा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली

# ਨੈੱਂ ਸਦਾਤਾਂ ਕੇ ਖਿਲਨੇ ਕੀ ਬੁਨਿਆਦੀ ਰਾਤਾ

**ह** थेली पर सरसों उगाना एक मुहावरा है, लेकिन केंद्र सरकार ने किसानों की हथेली पर जेनेटिकली मॉडिफाइड, यानी जी-एम सरसों के जो बीज पिछ्ले दिनों रखे, वे भारतीय कृषि के नजारे के काफी हद तक बदल सकते हैं। यह सब रातोंरात नहीं होगा। अर्थात् तो केंद्र सरकार ने सिर्फ इसकी इजाजत ही दी है। अब हमारे पास है सरसों की एक ऐसी किस्म, जिसे 28 फीसदी तक अधिक उपज के दावे के साथ पेश किया गया है। हालांकि, खेतों में बड़े पैमाने पर इस सरसों की बुवाई का मौका दो साल बाद ही आयेगा। मगर एक उम्मीद बनी है, जो हो सकता है कि दूर तक भी चली जाय ज्यादा बड़ा सवाल यह है कि देश की किसानी इस समय जिन संकटों से जुँझ रही है, क्या उसमें इस तरह की फसलें कुछ मदद कर सकेंगी? बीटी कपास एकमात्र ऐसी जी-एम फसल है, जिसके लंबे समय से देश में बुवाई हो रही है। इसकी बढ़ावलत देश कपास के मामले में दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक बन रायत है। फिर, तरह-तरह के कीटों के प्रकोप से कपास की फसल जिस तरह से पहले पूरी तरह बर्बाद हो जाया करती थी, वैसी घटनाएँ इतनी कम हो गई हैं कि अब उनकी चर्चा भी नहीं होती। निस्संदेह कपास किसानों से जुँड़ी बर्बादी की घटनाएँ कम हुई हैं, लेकिन क्या उनकी हालत भी बेहतर हुई है? कपास किसानों की माली हालत

की तुलना अगर हम गेहूं या अन्य फसलें उपजाने वाले किसानों करें, तो उनमें कोई बड़ा अंतर नहीं दिखता। जीएम सरसों को हझड़ी दिखाने के फैसले को कुछ विशेषज्ञों ने दूसरी हरित क्रांति व शुरूआत कहा है। एक अर्थ में यह बात सही भी साबित हो सकती है। पहली हरित क्रांति तब हुई थी, जब देश भीषण खाद्य संकट गुजर रहा था। आज भी कुछ लोग उस हरित क्रांति की देर से खामियां गिनाते हैं, लेकिन उसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि उसने देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना दिया। इदूसरी हरित क्रांति की बात उस समय हो रही है, जब देश खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भरता से लगातार दूर जा रहा है। देश व खाद्य तेलों की 60 फीसदी जरूरत आज भी आयात से पूरी होती है। आयात पर इस निर्भरता को खत्म करना है, तो तिलहन की उपलब्धि तेजी से बढ़ानी होगी। जीएम सरसों में जो बादा या दाव किया जा रहा है, उससे भी कहीं ज्यादा तेजी से। मुमकिन है कि कुछ लगातार प्रयासों से यह लक्ष्य भी हासिल हो जाय। मगर क्या इससे किसानों की समस्याएं भी खत्म हो जायेंगी? क्या सरसों की अधिक पैदावार किसानों की अधिक आमदनी की गारंटी बन सकेगी? यह बात यह रखनी भी जरूरी है कि जिसे हम पहली हरित क्रांति कहते हैं, उसके देश के खाद्य संकट का समाधान तो किया ही था, किसानों की बहुत

सारी समस्याओं को भी हल किया था। पहली हरित क्रांति के पीछे भी विज्ञान था, गेहूं की एक उन्नत किस्म थी, जिसे मैक्सिसको के वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग ने काफी प्रयासों से विकसित किया था। बाने पौधे वाली गेहूं की इस किस्म में अधिक उपज की गारंटी तो थी ही, साथ-साथ यह फसल को कई तरह के रोगों और कीटों से भी बचाती थी। इसकी अधिक उपज के साथ एक शर्त यह भी जुड़ी थी कि किसान खेती के अपने परंपरागत तरीकों को बदलें। खेत की उर्वरता बढ़े और समय पर सिंचाई का पक्का इंतजाम हो। नॉर्मन बोरलॉग ने विज्ञान की अपनी जादूगरी से हमें जो बीज सौंपे थे, अगर हम उसके लायक जमीन न तैयार कर पाते, तो वह जादू कम से कम भारत में तो अपना तिलस्म खो बैठता। शुरूआत के कुछ साल तो इसी जमीन को तैयार करने में बीते। किसानों को प्रशिक्षण देने के अलावा बड़े पैमाने पर उर्वरकों का इंतजाम किया गया। यह रासायनिक खाद इतनी महंगी थी कि उन्हें खरीद पाने की हैसियत देश के आप किसानों की नहीं थी। किसानों को उर्वरकों का इसेमाल सिखाने से कहीं ज्यादा कठिन था, अर्थशास्त्रियों और नीति-नियामकों को उनकी कीमत कम करने के लिए राजी करना। एक दूसरा खतरा भी था, जिसे समय रहते भाप लिया गया था।

1

# सर्दियों में फिट एंड फाइन रहने के लिए आंवला को आज ही करें डाइट में शामिल

दिनों के मौसम ने दस्तक दे दी है। इस मौसम से मैं कई सारी स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। डॉक्टर्स और हैल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, आप इन बीमारियों से बचने के लिए मौसमी फलों का सेवन कर सकते हैं। इसी मौसम में आंवला भी आता है। सर्दियों में आंवले का सेवन कर सकते हैं। आवले में विटामिन-सी काफी अच्छी पार्श्व जाती है। 100 ग्राम आंवले में संतरे के तुलना में 10 से 30 गुना ज्यादा विटामिन-सी पाया जाता है।

**पोषक तत्वों से भरपूर होता है आंवला :** आउटुन में भी आंवले को बहुत ही लाभदायक माना जाता है। इसमें विटामिन-ई, विटामिन-ए, विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स, पौटैशियमस कैलिश्यम, मैग्नेशियम, आवरन, काबोहाइड्रेट, फाइबर जैसे गुण पाए जाते हैं। सर्दियों में आप इसी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। सर्दियों में आंवला खाने से आपकी इच्छुकी भजबूत रहेगी। निमित आंवला खाने से दिल की बीमारियों से भी राहत पाई जाती है।

**इम्यून सिस्टम करें मजबूत :** सर्दियों में इम्यून सिस्टम भी बहुत ही प्रभावित होता है। इम्यून सिस्टम को स्वस्थ रखने के लिए आप आंवले का सेवन इस मौसम में कर सकते हैं। इसमें पाए जाने वाले आंवले से लड़ते हैं।



सर्दियों में इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए आप शरीर की बीमारियों से बच सकते हैं।

**कंट्रोल करे ब्लड शुगर :** आंवला में क्रोमियम नामक पोषक तत्व काफी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। यह पोषक तत्व ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। डायबिटीज के मरीजों के लिए यह बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा चांचा आंवले के आने या इसका जस्ती पीने से दांत और मसुड़े भी मजबूत होते हैं। सासों की दूरी से भी आंवले का सेवन से अप राहत पा सकते हैं।

**मुहांसे करे दूर :** आंवला में पाए जाने वाले गुण आपका खुन साफ करने में भी मदद करते हैं। इसके सेवन से मुहांसे दूर होती है और स्क्रिन बेदग और चमकदार होती है। आंवले में विटामिन-सी पाया जाता है जो स्क्रिन को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। आंवले का सेवन को एप त्वचा की सुजन भी दूर कर सकते हैं। आंवलों में लाए चमक : यदि आप रोजे देयप कॉर्टीजर के रूप में आंवले का इस्तेमाल करते हैं तो इससे रसी की समस्या दूर होती है। साथ ही इससे आपके बालों में भी चमक आती है। यदि आपके बाल रुखे और समय से पहले ही सफेद हो रहे हैं तो आप इस समस्या से राहत पाने के लिए आंवला का इस्तेमाल कर सकते हैं।

**आंखों को रखे स्वस्थ :** आंवला आंखों को भी स्वस्थ रखने में मदद करता है। सर्दियों में इसका सेवन करने से आप अपनी आंखों को स्वस्थ रख सकते हैं। आंवले

का जूस या इसका मुरब्बा बनाकर आप खा सकते हैं।

**दूर करे मुंह के छाले :** मुंह के छाले दूर करने के लिए भी आप आंवले का इस्तेमाल कर सकते हैं। गर्म पानी में आंवला जस्ती मिलाकर पिए। इससे आपको कुछ ही दिनों में असर दिखेंगा। मुंह में बार-बार होने वाले छालों की समस्या से भी राहत मिलेगी। इसके अलावा चांचा आंवले के आने या इसका जस्ती पीने से दांत और मसुड़े भी मजबूत होते हैं। सासों की दूरी से भी आंवले का सेवन से अप राहत पा सकते हैं।

**मुहांसे करे दूर :** आंवला में पाए जाने वाले गुण आपका खुन साफ करने में भी मदद करते हैं। इसके सेवन से मुहांसे दूर होती है और स्क्रिन बेदग और चमकदार होती है। आंवले में विटामिन-सी पाया जाता है जो स्क्रिन को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। आंवलों का सेवन को एप त्वचा की सुजन भी दूर कर सकते हैं। बालों में लाए चमक : यदि आप रोजे देयप कॉर्टीजर के रूप में आंवले का इस्तेमाल करते हैं तो इससे रसी की समस्या दूर होती है। साथ ही इससे आपके बालों में भी चमक आती है। यदि आपके बाल रुखे और समय से पहले ही सफेद हो रहे हैं तो आप इस समस्या से राहत पाने के लिए आंवला का इस्तेमाल कर सकते हैं।

**वैसे अगर आप चाय नहीं पीते हैं तो फिर आप च्यूइंग गम का प्रयोग करें।** इससे आपका कॉर्टिसोल हार्मोन का लेवल निश्चित रूप से कम होगा। हालांकि इसे बहुत अधिक देर तक नहीं चबाना चाहिए और कुछ मिनटों के बाद मुंह को रिलैफ्स छोड़ना चाहिए।

**स्ट्रैचिंग व मसाज :** जी हाँ! अगर आपका दिमाग तनाव में है, तो मसाज आपको तकलीफ राहत पहुंचा सकता है। इसी प्रकार से स्ट्रैचिंग भी आपको मदद कर सकती है।

**स्ट्रैचिंग आंवलों पर या फिर बेड पर भी कर सकते हैं** और इससे आपकी मसस्य को काफी राहत पा सकती है।

**योग :** जी हाँ! योग ना केवल भारत में, बल्कि अपने दूरी वाली चाय की बजाय एक अद्यतन व्यायाम है। इसमें ध्यान, प्रणालीम इत्यादि पद्धतियों को स्थानिक कर सकते हैं।

**एकांत में ठाले / धूप लेने :** जी हाँ! अगर आपको किसी एनवायरनमें से तनाव होता है, तो तकलीफ पांच से 30 मिनट की बाक ले। वह बाक अपे अकेले करें, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। धूप भी इसमें आपकी काफी मदद करती है और आपके दिमाग के लिए बेहतर होता है।

**इसके लिए कोई आवश्यक नहीं है कि सुबह या शाम को ही आप योग करें, बल्कि जब आप दिमाग को तुरंत रिस्क रिलैफ्स करना चाहते हैं तो योग का सहारा अवश्य लें।**

**योग :** जी हाँ! योग ना केवल भारत में, बल्कि अपने दूरी वाली चाय की बजाय एक अद्यतन व्यायाम है। इसमें ध्यान, प्रणालीम इत्यादि पद्धतियों को स्थानिक कर सकते हैं।

**एकांत में ठाले / धूप लेने :** जी हाँ! अगर आपको किसी एनवायरनमें से तनाव होता है, तो तकलीफ पांच से 30 मिनट की बाक ले। वह बाक अपे अकेले करें, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। धूप भी इसमें आपकी काफी मदद करती है और आपके दिमाग के लिए बेहतर होता है।

**जूस पीवें / ड्राक्क चॉकलेट लेने :** जूस पीने से भी आपके दिमाग की तरीयों में सासं लेने से फेफड़ों को नुकसान हो सकता है।

**पदार्थों में सासं लेने से फेफड़ों को नुकसान हो सकता है** और जिनकी तरीयों के लिए फेफड़ों को नुकसान हो सकती है।

**स्ट्रैचिंग व मसाज :** जी हाँ! अगर आपका दिमाग तनाव में है, तो मसाज आपको तकलीफ राहत पहुंचा सकता है। इसी प्रकार से स्ट्रैचिंग भी आपको मदद कर सकती है।

**स्ट्रैचिंग आंवलों पर या फिर बेड पर भी कर सकते हैं** और इससे आपकी मसस्य को काफी राहत पा सकती है।

**योग :** जी हाँ! योग ना केवल भारत में, बल्कि अपने दूरी वाली चाय की बजाय एक अद्यतन व्यायाम है। इसमें ध्यान, प्रणालीम इत्यादि पद्धतियों को स्थानिक कर सकते हैं।

**एकांत में ठाले / धूप लेने :** जी हाँ! अगर आपको किसी एनवायरनमें से तनाव होता है, तो तकलीफ पांच से 30 मिनट की बाक ले। वह बाक अपे अकेले करें, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। धूप भी इसमें आपकी काफी मदद करती है और आपके दिमाग के लिए बेहतर होता है।

**जूस पीवें / ड्राक्क चॉकलेट लेने :** जूस पीने से भी आपके दिमाग की तरीयों में सासं लेने से फेफड़ों को नुकसान हो सकता है।

**पदार्थों में सासं लेने से फेफड़ों को नुकसान हो सकता है** और जिनकी तरीयों के लिए फेफड़ों को नुकसान हो सकती है।

**स्ट्रैचिंग व मसाज :** जी हाँ! अगर आपका दिमाग तनाव में है, तो मसाज आपको तकलीफ राहत पहुंचा सकता है। इसी प्रकार से स्ट्रैचिंग भी आपको मदद कर सकती है।

**स्ट्रैचिंग आंवलों पर या फिर बेड पर भी कर सकते हैं** और इससे आपकी मसस्य को काफी राहत पा सकती है।

**योग :** जी हाँ! योग ना केवल भारत में, बल्कि अपने दूरी वाली चाय की बजाय एक अद्यतन व्यायाम है। इसमें ध्यान, प्रणालीम इत्यादि पद्धतियों को स्थानिक कर सकते हैं।

**एकांत में ठाले / धूप लेने :** जी हाँ! अगर आपको किसी एनवायरनमें से तनाव होता है, तो तकलीफ पांच से 30 मिनट की बाक ले। वह बाक अपे अकेले करें, तो ज्यादा बेहतर रहेगा। धूप भी इसमें आपकी काफी मदद करती है और आपके दिमाग के लिए बेहतर होता है।

**जूस पीवें / ड्राक्क चॉकलेट लेने :** जूस पीने से भी आपके दिमाग की तरीयों में सासं लेने से फेफड़ों को नुकसान हो सकता है।

**पदार्थों में सासं लेने से फेफड़ों को नुकसान हो सकता है** और जिनकी तरीयों के लिए फेफड़ों को नुकसान हो सकती है।

**स्ट्रैचिंग व मसाज :** जी हाँ! अगर आपका दिमाग तनाव में है, तो मसाज आपको तकलीफ राहत पहुंचा सकता है। इसी प्रकार से स्ट्रैचिंग भी आपको मदद कर सकती है।

**स्ट्रैचिंग आंवलों पर या फिर बेड पर भी कर सकते हैं** और इससे आपकी मसस्य को काफी राहत पा सकती है।

**योग :** जी हाँ! योग ना केवल भारत में, बल्कि अपने दूरी वाली चाय की





# KASHYAP'S DENTAL CLINIC

**Dr. Vaibhav Kashyap**



Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA



"Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए  
50% की छूट

- ❖ आरसीटी
- ❖ पायरिया का ईलाज
- ❖ टेफे-मेफे दाँतों का ईलाज
- ❖ स्माईल डिजाइन
- ❖ इनविजिवल विल्पण

- ❖ दंत रोपण
- ❖ फिक्स दाँत लगाना
- ❖ अत्यधिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

## CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

## न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने उत्तराखण्ड के स्थानान्वयन दिवस पर दी बधाई नवी दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्वारा सुन् उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को उत्तराखण्ड के स्थानान्वयन दिवस पर राज्य के लोगों को बधाई दी है। राष्ट्रपति ने टीवी संदेश में कहा, उत्तराखण्ड के दिवस पर देव भूमि के नियासियों को हादिक शुभकामनाएँ हिमालय की गोद में बढ़े उत्तराखण्ड ने अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए विकास के अनुकूलित प्रयोग के लिए अन्य देशों के पथ पर सदैव अग्रसर रहे। उपराष्ट्रपति ने टीवी संदेश में कहा, उत्तराखण्ड के लोगों को उनके राज्य स्थानान्वयन दिवस पर मेरी बधाई। "देवभूमि" उत्तराखण्ड अपनी सुन्दर आध्यात्मिक विरासत, मनोहरक प्राकृतिक सुंदरीता और विविध वन्य जीवन के लिए राज्य की प्रगति और असमृद्ध और इसके लोगों की भलाई के लिए मेरी शुभकामनाएँ। प्रधानमंत्री ने एक टीवी में कहा, उत्तराखण्ड के लोगों को स्थानान्वयन दिवस की बधाई। यह एक ऐसा राज्य है, जो प्रकृति और आध्यात्मिक को संयोगित रूप से जुड़ा हुआ है। इस राज्य के लोग राष्ट्र निर्माण के कई क्षेत्रों में अभूतपूर्व योगदान दे रहे हैं। कामना है कि उत्तराखण्ड आने वाले वर्षों में प्रगति करता रहे।

यूक्रेन के राष्ट्रपति जी-20 शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की ईडोनेशिया के बाली में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। यह जानकारी बुधवार को यूक्रेन के सरकारी एजेंसी सुस्पिल्ने ने राष्ट्रपति के प्रत्काली समीक्षा निकाफोरोव के हवाले से दी। निकीफोरोव ने मंगलवार को राज्य की निश्चित रूप से बोलोवार को राज्य की अधिकारी विवरणों के लिए अन्य देशों के साथ बहुत जीवन की अवधि और असमृद्ध अधिक संभाला है कि राष्ट्रपति के पद पर उत्तराखण्ड अपनी शामिल हो जाए। यूक्रेन के अन्य देशों के लिए एक अन्य देशों के साथ बहुत जीवन की अवधि और असमृद्ध अधिक संभाला है कि राष्ट्रपति जेलेन्स्की ऑनलाइन प्रारूप में इस शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। ईडोनेशिया के बाली में 15-16 नवंबर को होने वाले 17वें जी-20 शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय रिकवर ट्रोदर, रिकवर स्ट्रॉनर होगा।

एच.एस. धामी बने

एसजीपीसी के प्रधान

अमृतसर (एजेंसी)। एसजीपीसी का चुनावों का फैसला आ गया है। अकाली दल द्वारा एवेंगेट हिंजिंर रिंग धामी एसजीपीसी के प्रधान ऐलान किया गया है। अपकाली बता दें एसजीपीसी के चुनावों में हरजिंर रिंग धाम का 104 और बींबी जीपी बता को 40 वोट मिले हैं। चुनावों जीतने के बाद बींबी जीपी करने एसजीपीसी प्रावाना हरजिंदर धामी को बधाई दी है। हरजिंर रिंग धाम का बधाई दी है। इसके साथ ही नीनियर पीठ प्रधान बलदेव सिंह कियामपुर, जुनियर मीठ प्रधान अवतार सिंह रिया, जनरल सचिव गुरुचरण ग्रेवल को नियुक्त किया गया है।

नवी दिल्ली (एजेंसी)। चीन को हमेशा से फैसलाने करने वाला व्हाड समूह के देशों का बहुपक्षीय नोसीनिक

■ भारत के युद्धप्रौद्योगिक और कमोटी, पी-8आई विमान समुद्री युद्धाभ्यास में दिखाएंगे ताकत

■ उद्योग समाई के थामिल हुए भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नौसैनिक अधिकारी

अध्यास मालाबार बुधवार को जापान के योकोसुका में भव्य समारोह के साथ शुरू हो गया। जापान की मेजबानी में

नवी दिल्ली (एजेंसी)। चीन को

सीमा की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने में सेना की भूमिका को रक्षा मंत्री ने सराहा, कहा

## आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह हमेशा तैयार होने के सेना



नवी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में चल रही आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बातचीत की। उन्हें सेना के शीर्ष नेतृत्व ने मौजूदा उभारी सुरक्षा और प्रशासनिक चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने देश के सबसे भरोसेमंद संगठनों में से एक भारतीय सेना के प्रति देश के नागरिकों के विश्वास को दोहराया। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा जरूरत पड़ने पर नागरिक प्रशासन को सहायता देने में सेना की भूमिकाओं को सहायता की जाए। इसके अलावा सम्मेलन में संगठनात्मक मुनिगंठर, रसद, प्रशासन, मानव संसाधन प्रबंधन, स्ट्रेशनिंग के माध्यम से आधुनिकीकरण और अव्याधिनकारी प्रैवियोगिकों को शामिल करने से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

इसी क्रम में सम्मेलन के तीसरे दिन बुधवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के विरष्ट नेतृत्व के साथ

तय की जारी है। इसके अलावा सम्मेलन में संगठनात्मक मुनिगंठर, रसद, प्रशासन, मानव संसाधन प्रबंधन, स्ट्रेशनिंग के माध्यम से आधुनिकीकरण और अव्याधिनकारी प्रैवियोगिकों को शामिल करने के लिए जरूरत पड़ते हुए हैं। इस दौरान भारतीय सेना का शीर्ष नेतृत्व के साथ बरोसेमंद और प्रेरक संगठनों में से एक भारतीय सेना के प्रति नागरिकों के विश्वास को दोहराया। राजनाथ सिंह ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा नागरिक प्रशासन की सहायता करने में सेना की नियुक्ति गई। रक्षा मंत्री ने देश के सबसे भरोसेमंद और प्रेरक संगठनों में से एक भारतीय सेना के प्रति नागरिकों के विश्वास को दोहराया। राजनाथ सिंह ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा नागरिक प्रशासन की सहायता करने में सेना की नियुक्ति गई। रक्षा मंत्री ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा नागरिक प्रशासन की सहायता करने में सेना की नियुक्ति गई।

अमेरिकी राज्य मैरीलैंड की लेपिटनेंट गवर्नर बनी भारतीय मूल की अण्णा मिलर



वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल की अण्णा मिलर अमेरिकी राज्य मैरीलैंड की लेपिटनेंट गवर्नर बन गयी है। वे इस पद पर पहुंचने वाली पहली प्रवासी महिला हैं। मिलर हाउस 30 और डेलीगेट्स गवर्नर राष्ट्र संसद के सदस्य रह चुकी हैं। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों की राजनीतिक एकड़ अपने के बारे में जानकारी दी गई। रक्षा मंत्री ने देश के लिए जरूरत पड़ने पर योग्य विवरण देने के लिए अन्य देशों के साथ बहुत जीवन की अवधि और असमृद्ध अधिक संभाला है कि राष्ट्रपति के पद पर मजबूत हो रही है। हाल ही में हुए अमेरिकी राज्य मैरीलैंड के चुनाव में लेपिटनेंट गवर्नर के पद पर अपर उपरिके उपर्युक्त कार्यों के साथ बहुत जीवन की अवधि और असमृद्ध अधिक संभाला है कि राष्ट्रपति जेलेन्स्की ऑनलाइन प्रारूप में इस शिखर सम्मेलन का मुख्य विषय रिकवर ट्रोदर, रिकवर स्ट्रॉनर होगा।

उत्तर, दक्षिण की संस्कृतियों का सम्मिलन होगा, काशी तमिल नाडु की अण्णा मिलर

कर सकती है। मूल रूप से भारत के हैदराबाद की नियासी अण्णा 1972 में सात वर्ष की आयु में भारत से अमेरिका पहुंची थीं। अण्णा ने 1989 में मिसारै एवं प्रैवियोगिकी विश्वविद्यालय के स्नातकों के उपाधि प्राप्त की। वे मॉन्टगोमरी कार्डिंग के अधिकारी के बाद अण्णा मिलर ने टीवी कर कहा कि उनके अधिकारी में सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए एं पूरे समाज और उनके समृद्ध अपने के बारे में जानकारी दी गई। हालांकि, प्रवर्तन के लिए बन्होंगे और तेज़ी से जानकारी दी गई। अण्णा ने 1996 में नवंबर को भगवान गणेश की पूजा की। उत्तरात कपाट बदलने के लिए जरूरत पड़ती है। अण्णा ने एक अपने के बारे में जानकारी दी गई। अण्णा ने 1997 में नवंबर को भगवान गणेश की पूजा की। उत्तरात कपाट बदलने के लिए जरूरत पड़ती है। अण्णा ने एक अपने के बारे में जानकारी दी गई। अण्णा ने 1998 में नवंबर को भगवान गणेश की पूजा की। उत्तरात कपाट बदलने के लिए जरूरत पड़ती है। अण्णा ने 1999